

भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग I, खंड I में प्रकाशनार्थ

फा. सं. 7/25/2026 – डीजीटीआर

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

व्यापार उपचार महानिदेशालय

चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग,

5, संसद मार्ग, नई दिल्ली – 110001

दिनांक : 29 सितंबर 2026

सेतु केस आईडी - एडी/एसएसआर/12/2026

जांच शुरुआत अधिसूचना

विषय: चीन जन. गण. से चाकू और टॉयलेट के सामान को छोड़कर सिरेमिक टेबलवेयर और किचनवेयर के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच (एसएसआर) की शुरुआत।

फा. सं. 7/25/2026 – डीजीटीआर: समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद "अधिनियम" के रूप में कहा गया है) और सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद "नियमावली" के रूप में कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, सिरेमिक टेबलवेयर एंड किचनवेयर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जिसे इसके बाद "आवेदक एसोसिएशन" के रूप में भी कहा गया है) ने "चाकू और टॉयलेट के सामान को छोड़कर सिरेमिक टेबलवेयर और किचनवेयर" (जिन्हें इसके बाद "संबद्ध वस्तुएं" या "विचाराधीन उत्पाद" के रूप में भी कहा गया है) के घरेलू उत्पादकों की ओर से निदेशित प्राधिकारी के समक्ष चीन जन. गण. (जिसे इसके बाद "संबद्ध देशों" के रूप में भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित चाकू और टॉयलेट के सामान को छोड़कर सिरेमिक टेबलवेयर और किचनवेयर के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करने के लिए एक आवेदन दाखिल किया है। क्ले क्राफ्ट इंडिया लिमिटेड और सिरेमिक टेबलवेयर प्राइवेट लिमिटेड (जिन्हें इसके बाद "आवेदक कंपनियां" या "घरेलू उद्योग" के रूप में कहा गया है) ने संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जारी रखने के लिए निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करने की मांग करते हुए वर्तमान आवेदन के प्रयोजनार्थ इस आवेदन के लिए सभी संगत सूचना उपलब्ध कराई है।

2. आवेदकों ने यह आरोप लगाया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद भारत में पाटन जारी है और घरेलू उद्योग को इससे निरंतर क्षति हो रही है। यह भी आरोप लगाया गया है कि पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और उसके कारण घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति होने की संभावना है और साथ ही संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसे जारी रखने का अनुरोध किया गया है।

पिछली जांच की पृष्ठभूमि

3. प्राधिकारी द्वारा चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच दिनांक 13 अक्टूबर 2016 को शुरू की गई थी। प्राधिकारी ने दिनांक 8 दिसंबर 2017 के अपने अंतिम जांच परिणाम फा.सं.14/05/2016-डीजीएडी में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, वित्त मंत्रालय ने दिनांक 21 फरवरी 2018 की अधिसूचना सं. 4/2018-सीमाशुल्क (एडीडी) के माध्यम से पाटनरोधी उपाय लागू किए।

4. घरेलू उद्योग के अनुरोध पर, प्राधिकारी ने 2021 में मलेशिया से आने वाले विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर प्रवंचनारोधी जांच शुरू की। विस्तृत जांच करने के बाद, प्राधिकारी ने दिनांक 3 अगस्त, 2021 के अपने अंतिम जांच परिणाम सं. 7/33/2020-डीजीटीआर में यह निष्कर्ष निकाला कि चीन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों की प्रवंचना की जा रही है और प्राधिकारी ने चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को मलेशिया से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर भी लागू करने की सिफारिश की। वित्त मंत्रालय ने दिनांक 4 अक्टूबर, 2021 की अधिसूचना संख्या 59/2021-सीमाशुल्क (एडीडी) के माध्यम से इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया।

5. इसके बाद, प्राधिकारी ने दिनांक 31 अगस्त, 2021 को चीन जन. गण. के खिलाफ निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत की और अपने अंतिम जांच परिणाम में, दिनांक 10 मार्च, 2022 की अधिसूचना संख्या 7/20/2021 - डीजीटीआर के माध्यम से पाटनरोधी उपायों को जारी रखने और चीन से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क को मलेशिया से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर भी लागू करने की सिफारिश की। वित्त मंत्रालय ने दिनांक 24 मई, 2022 की अधिसूचना संख्या 16/2022- सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया। उपरोक्त शुल्क वर्तमान में दिनांक 23 मई, 2027 तक लागू हैं।

क. विचाराधीन उत्पाद

6. मूल जांच में शामिल विचाराधीन उत्पाद "चाकू और टॉयलेट के सामान को छोड़कर सिरमिक टेबलवेयर और किचनवेयर" है। पहले निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई मूल पाटनरोधी जांच के अनुसार, उत्पाद को इस प्रकार से परिभाषित किया गया है:

"वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद को "चाकू और टॉयलेट के सामान को छोड़कर सिरमिक टेबलवेयर और किचनवेयर" (जिसे इसके बाद 'संबद्ध वस्तुएं' या पीयूसी के रूप में कहा गया है) के रूप में परिभाषित किया गया है।

यह नोट किया जाता है कि बोन चाइना, स्टोनवेयर और पोर्सिलेन-वेयर सभी सिरमिक उत्पाद हैं, इसलिए इस जांच के दायरे में आने वाले उत्पाद में बोन चाइना, स्टोन और पोर्सिलेन से बने किचनवेयर और टेबलवेयर शामिल हैं। सिरमिक टेबलवेयर और किचनवेयर का उपयोग घरों और होटलों में खाने, पीने और भोजन व पेय को परोसने के लिए किया जाता है।

संबद्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के तहत वर्गीकृत किया गया है। इनका आयात एचएस कोड 6911 और 6912 के तहत अलग-अलग उप-शीर्ष के अंतर्गत किया जाता है। तथापि, एचएस कोड केवल सूचना के लिए हैं और वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए उत्पाद का विवरण ही निर्णायक कारक होगा।"

7. चूंकि यह जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही रहा है जो मूल जांच में परिभाषित किया गया था और इस अवधि के दौरान कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है।

प्रोडक्ट कंट्रोल नंबर (PCN)

8. आवेदक ने किसी भी PCN तरीके का प्रस्ताव नहीं दिया है, क्योंकि मूल जांच और पहले सनसेट रिव्यू दोनों में ही इसका पालन नहीं किया गया था। इस जांच में शामिल

पक्ष, PUC/PCN तरीके पर अपनी राय (यदि कोई हो) जांच शुरू होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर दे सकते हैं।

माप की इकाई

9. विचाराधीन उत्पाद के लिए माप की इकाई मीट्रिक टन है, क्योंकि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री मी टन में भार के आधार पर की जाती है। इसलिए, उचित तुलना करने के लिए, इस आवेदन के प्रयोजन के लिए माप की इकाई भार (कि.ग्रा. या मी टन) के रूप में रखने का प्रस्ताव किया गया है।

टैरिफ वर्गीकरण

10. संबद्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची I के अध्याय 69 के तहत वर्गीकरण 6911 और 6912 में वर्गीकृत किया गया विचाराधीन उत्पाद को इन एचएस कोड के तहत आयात किया जाता है - 69111011, 69111019, 69111021, 69111029, 69119010, 69119020, 69119090, 69120010, 69120020, 69120030, 69120040, 69120090।

ख. समान वस्तु

11. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं और संबद्ध देश से आयात किए गए उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं, भौतिक और रासायनिक गुणों, विनिर्माण की प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद की विशिष्टता, कीमत के निर्धारण, वितरण और विपणन और टैरिफ वर्गीकरण सहित सभी संदर्भों में संबद्ध देश से आयात किए गए उत्पाद से तुलनीय हैं। दोनों ही उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से एक दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाए जा सकते हैं और उपभोक्ता इन्हें एक दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाते हैं। इसलिए, वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देश से आयात की गई संबद्ध वस्तुओं के "समान वस्तु" के रूप में पर माना जा रहा है।

ग. संबद्ध देश

12. इस समीक्षा के प्रयोजन के लिए संबद्ध देश चीन जन. गण. है।

घ. जांच की अवधि

13. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 (12 माह) की अवधि को जांच की अवधि (पीओआई) (जिसे इसके बाद "पीओआई" कहा गया है) के रूप में माना है। क्षति जांच की अवधि में 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023, 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024, 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 और जांच की अवधि शामिल होगी।

ड. घरेलू उद्योग और आधार

14. नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के

विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" शेष उत्पादकों को समझा जाएगा।"

15. यह एप्लीकेशन 'सिरेमिक टेबलवेयर एंड किचनवेयर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन' ने दायर किया है। क्ले क्राफ्ट इंडिया लिमिटेड और सिरेमिक टेबलवेयर प्राइवेट लिमिटेड ने इस एप्लीकेशन के मकसद से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी दी है; ये दोनों कंपनियाँ भारत के कुल प्रोडक्शन का 25% से ज्यादा हिस्सा बनाती हैं। इन प्रोड्यूसर्स ने इस एप्लीकेशन का समर्थन किया है: अम्बर्टो सिरेमिक्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, क्लाविज़ सिरेमिकवेयर एलएलपी, अनुराग उद्योग, डीसी सिरेमिक, मुद्रिका सिरेमिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ईवा सिरेमिक्स, कृष्णा सेराकोट्स इंडस्ट्रीज़ (क्रिस्टा), सोनाकी सिरेमिक और रघुवर (इंडिया) लिमिटेड। एप्लीकेशन देने वाले और समर्थन करने वाले मिलकर भारत के कुल प्रोडक्शन का 50% से ज्यादा हिस्सा बनाते हैं।

16. रिकॉर्ड में मौजूद सूचना के आधार पर, प्राधिकारी का यह मानना है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2ख) के तहत एक पात्र घरेलू उद्योग है और यह आवेदन पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

च. पाटन के जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना के लिए आधार

चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य

17. आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन. गण. को एक गैर-बाज़ार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के नियम-7 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए। आवेदक ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) का संदर्भ दिया है और यह कहा है कि चीन के उत्पादकों को यह साबित करने के लिए कहा जाना चाहिए कि संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने वाले उद्योग में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) के अनुसार बाज़ार अर्थव्यवस्था की स्थितियाँ मौजूद हैं। आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन. गण. के लिए, सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

18. आवेदक ने बताया है कि किसी तीसरे देश (जिसकी अर्थव्यवस्था 'मार्केट इकॉनमी' हो) में कीमत या 'कंस्ट्रक्टेड वैल्यू' के आधार पर 'नॉर्मल वैल्यू' तय करने की कोशिश की गई थी। हालाँकि, आवेदक को किसी तीसरे देश की मार्केट इकॉनमी में कीमत या लागत के बारे में भरोसेमंद जानकारी नहीं मिल सकी। इसलिए, 'नॉर्मल वैल्यू' को आवेदक की उत्पादन लागत के आधार पर तय किया गया है, जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों के साथ-साथ उचित मुनाफे को भी शामिल किया गया है। जाँच शुरू करने के मकसद से इसी आधार को माना गया है। आवेदक ने चीन (PR) में संबंधित सामान की 'नॉर्मल वैल्यू' के संबंध में पर्याप्त सबूत पेश किए हैं।

निर्यात कीमत

19. आवेदक ने अपनी बाज़ार की जानकारी के आधार पर आयात की मात्रा और मूल्य को ध्यान में रखते हुए संबद्ध देश के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। तथापि,

संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत को निर्धारित करने के प्रयोजन के लिए, कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का पता लगाने के लिए डीजीसीआई&एस के डेटा का उपयोग किया गया है। संबद्ध देश में समुद्री माल ढुलाई, समुद्री बीमा, बंदरगाह के खर्च, कमीशन और बैंक शुल्क के लिए समायोजन किए गए हैं।

पाटन मार्जिन

20. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना कारखाना बाह्य स्तर पर की गई है, जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम के स्तर से ऊपर है और संबद्ध देश से निर्यातित उत्पाद के मामले में काफी अधिक है। इस प्रकार, प्रथम दृष्टया ऐसे साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध देश के उत्पाद का पाटन किया जा रहा है।

छ. क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना और कारणात्मक संबंध

21. चूंकि यह जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए प्राधिकारी को इस बात की जांच करनी होगी कि क्या लागू शुल्क को समाप्त करने या हटाने से पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी।

22. आवेदक ने ऐसे साक्ष्य दिए हैं जिनसे प्रथम दृष्टया यह साबित होता है कि संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को कम करना जारी रखा है। इसके अलावा, पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है क्योंकि भारत चीन के उत्पादकों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और भारत में पाटन जारी है। चीन के उत्पादकों के पास जरूरत से अधिक क्षमता है और वे तीसरे देश में पाटन कर रहे हैं और दूसरे अधिकार क्षेत्र में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण उन्होंने बाजार को खो दिया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे पर्याप्त साक्ष्य हैं जो यह दिखाते हैं कि यदि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किया जाता है, तो पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

ज. निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत

23. आवेदक द्वारा दायर किए गए विधिवत रूप से प्रमाणित आवेदन के आधार पर और इस बात से संतुष्ट होने के बाद कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने की स्थिति में पाटन के जारी रहने/ पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचने की संभावना है, जिसके लिए प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं और अधिनियम की धारा 9क(5) और नियमावली के नियम 23 (1ख) के अनुसार, प्राधिकारी एक निर्णायक समीक्षा जांच शुरू कर रहे हैं। इसका प्रयोजन यह जांच करना है कि क्या संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने से पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचने की संभावना है।

24. चूंकि, चाकू और टॉयलेट सामानों को छोड़कर सिरेमिक टेबलवेयर और किचनवेयर के आयातों पर मलेशिया के लिए भी दिनांक 24 मई 2022 की अधिसूचना सं. 16/2022-सीमा शुल्क (एडीडी) के तहत, मौजूदा पाटनरोधी शुल्क लागू है इसलिए शुल्क के जारी रहने पर यह मलेशिया के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर भी लागू होगा।

झ. प्रक्रिया

25. निर्णायक समीक्षा में उन सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा जो अधिसूचना फा.सं. 14/05/2016 - डीजीएडी, दिनांक 8 दिसंबर 2017, फा.सं. 7/33/2020 - डीजीटीआर, दिनांक 3 अगस्त 2021 और अधिसूचना फा.सं. 7/20/2021 - डीजीटीआर, दिनांक 10 मार्च 2022 के तहत प्रकाशित अंतिम जांच परिणामों में बताए गए थे। इन जांच परिणामों में संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यात की जाने वाली संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की गई थी।

ञ. सूचना की प्रस्तुती

26. सभी हितबद्ध पक्षकारों को सेतु पोर्टल (<https://setu.dgtr.gov.in>) पर स्वयं को पंजीकरण करना होगा। हितबद्ध पक्षकारों की ओर से सभी पत्राचार और सूचना उनके पंजीकृत नाम और संबद्ध सेतु केस आईडी संख्या एडी/एसएसआर/012/2026 के तहत सेतु पोर्टल पर अपलोड की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सूचना का मुख्य हिस्सा सर्च करने योग्य पीडीएफ/ एमएस-वर्ड फॉर्मेट में हो और डेटा फाइलें एमएस-एक्सल फॉर्मेट में हों।

27. संबद्ध देश में ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों, भारत में अपने दूतावास के माध्यम से संबद्ध देश की सरकार और भारत में उन आयातकों और उपयोगकर्ताओं को, जिनके बारे में पता है कि वे विचाराधीन उत्पाद से जुड़े हैं, अलग से सूचित किया जा रहा है ताकि वे इस जांच शुरुआत अधूरी सूचना में बताई गई समय-सीमा के भीतर सभी संगत सूचना प्रस्तुत कर सकें। ऐसी सभी सूचना उसी रूप और तरीके से प्रस्तुत की जानी चाहिए जैसा कि इस जांच शुरुआत अधिसूचना, नियमों और प्राधिकारी द्वारा जारी लागू व्यापार सूचना में बताया गया है।

28. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच शुरुआत अधिसूचना में बताई गई समय-सीमा के भीतर, इस जांच शुरुआत अधिसूचना, नियमों और प्राधिकारी द्वारा जारी लागू व्यापार सूचना में बताए गए रूप और तरीके से मौजूदा जांच से संबंधित सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं।

29. प्राधिकारी के समक्ष कोई भी गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार को उसका एक अगोपनीय पाठ अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराना होगा।

30. हितबद्ध पक्षकारों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे इस जांच से जुड़ी किसी भी अद्यतन जानकारी के लिए व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की आधिकारिक वेबसाइट www.dgtr.gov.in और सेतु पोर्टल (<https://setu.dgtr.gov.in>) पर नियमित रूप से नज़र रखें। हितबद्ध पक्षकारों को यह निर्देश दिया जाता है कि वे व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की वेबसाइट (<https://www.dgtr.gov.in/>) को नियमित रूप से देखते रहें ताकि वे संबद्ध जांच में आगे की गतिविधियों से अवगत रह सकें और प्रश्नावली फॉर्मेट, पीसीएन कार्यप्रणाली, पीसीएन चर्चा/ बैठक की समय समय अनुसूची, मौखिक सुनवाई की सूचना, शुद्धिपत्र, संशोधन अधिसूचना और ऐसी अन्य जानकारी के बारे में समय-समय पर जारी होने वाली सूचना के बारे में अवगत रह सकें।

ट. समय सीमा

31. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी जानकारी सेतु पोर्टल (<https://setu.dgtr.gov.in>)

पर उनके पंजीकृत नाम और संबंधित केस आईडी - एडी/एसएसआर/012/2026 के तहत अपलोड की जानी चाहिए।

32. प्रत्येक अनुरोध के दोनों पाठ, गोपनीय पाठ (सीवी) और अगोपनीय पाठ (एनसीवी) को उस तारीख से 37 दिनों के भीतर संबंधित निर्दिष्ट कॉलम में अपलोड किया जाना चाहिए, जिस दिन घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन का अगोपनीय पाठ प्राधिकारी द्वारा प्रसारित किया जाएगा या पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 6 (4) के अनुसार निर्यातक देश के उचित राजनयिक प्रतिनिधि को प्रेषित किया जाएगा। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई जानकारी प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त जानकारी अधूरी है, तो प्राधिकारी रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर और पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुसार अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

33. सभी हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी जाती है कि वे तत्काल मामले में अपने हित (हित की प्रकृति सहित) बताएं और इस अधिसूचना में निर्धारित उपरोक्त समय सीमा के भीतर केवल सेतु पोर्टल के माध्यम से अपने प्रश्नावली के उत्तर दाखिल करें।

34. पीयूसी/ पीसीएन पद्धति के दायरे पर टिप्पणियां दर्ज करने की 15 दिन की अवधि इस जांच शुरुआत अधिसूचना के उपरोक्त पैरा 32 में उल्लिखित समय सीमा के साथ-साथ चलेगी।

35. पीयूसी/ पीसीएन में संशोधन होने के कारण विस्तार: यदि प्राधिकारी, बाद की सूचना के माध्यम से, पीयूसी और पीसीएन को संशोधित करते हैं जो पहले प्रस्तावित नहीं था या जांच शुरुआत अधिसूचना से अलग है, तो 15 दिनों का विस्तार दिया जाएगा। संशोधित पीयूसी और पीसीएन की ऐसी अधिसूचना की तारीख से 15 दिनों का यह विस्तार दिया जाएगा। इस पैरा में बताए गए 15 दिनों के समय का विस्तार उन मामलों में लागू नहीं है जहां जांच शुरू होने के बाद पीयूसी और पीसीएन पद्धति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुरूप, 15 दिन के समय विस्तार, यदि प्रदान किया गया, से अधिक समय विस्तार के अनुरोध पर, असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर, सामान्य तौर पर विचार नहीं किया जाएगा।

36. समय विस्तार के लिए कोई भी अनुरोध संबद्ध पक्षकारों द्वारा सेतु पोर्टल के माध्यम से उपरोक्त निर्दिष्ट मूल समय सीमा से कम से कम एक दिन पहले प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इस समय के बाद प्रस्तुत अनुरोधों पर विचार नहीं किया जाएगा।

ठ. गोपनीय आधार पर सूचना की प्रस्तुती

37. जहां मौजूदा जांच में कोई भी पक्षकार प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय अनुरोध करता है या गोपनीय आधार पर जानकारी प्रदान करता है, तो उस पक्षकार को नियमावली के नियम 7(2) के अनुसार और इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा जारी संबद्ध व्यापार सूचना के अनुसार, ऐसी जानकारी का एक अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करना होगा। उपरोक्त बातों का पालन न किए जाने पर उत्तर/ अनुरोध को अस्वीकार किया जा सकता है।

38. प्राधिकारी के समक्ष प्रश्नावली के उत्तर सहित कोई भी अनुरोध (जिसमें परिशिष्ट/ अनुबंध शामिल हैं) करने वाले पक्षकारों को गोपनीय और अगोपनीय पाठ अलग-अलग दाखिल करने होंगे।

39. ऐसे अनुरोधों पर प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से 'गोपनीय' या 'अगोपनीय'

अंकन किया जाना चाहिए। प्राधिकारी को बिना ऐसे अंकन के किया गया कोई भी अनुरोध प्राधिकारी द्वारा 'अगोपनीय' जानकारी माना जाएगा और प्राधिकारी को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसे अनुरोध का निरीक्षण करने की अनुमति देने की स्वतंत्रता होगी।

40. गोपनीय पाठ में वह समस्त सूचना होगी जो स्वभाव से गोपनीय प्रकृति की है, और/ या अन्य सूचना, जिसे ऐसी सूचना का आपूर्तिकर्ता गोपनीय होने का दावा करता है। जिस सूचना को गोपनीय प्रकृति की होने का दावा किया जाता है, या जिस सूचना पर अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा किया जाता है, उसके लिए सूचना के आपूर्तिकर्ता को दी गई सूचना के साथ एक उचित कारण बताना होगा कि ऐसी सूचना क्यों नहीं बताई जा सकती।

41. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दाखिल की गई सूचना का अगोपनीय पाठ गोपनीय पाठ की प्रतिकृति होना चाहिए, जिसमें बेहतर होगा कि गोपनीय सूचना को सूचीबद्ध किया जाए या खाली स्थान दिया जाए, जहां सूचीबद्ध करना संभव न हो और ऐसी सूचना को उस जानकारी के आधार पर उपयुक्त और पर्याप्त रूप से सारबद्ध किया जाना चाहिए जिस पर कि गोपनीयता का दावा किया गया है। अगोपनीय सारांश इतना विस्तार में होना चाहिए कि गोपनीय आधार पर दी गई जानकारी के सार को ठीक से समझा जा सके। हालांकि, विशेष परिस्थिति में, गोपनीय जानकारी देने वाला पक्षकार यह बता सकता है कि ऐसी जानकारी सारांश में नहीं दी जा सकती, और प्राधिकारी को यह बताना होगा कि ऐसा सारांश क्यों संभव नहीं है, और इसके लिए एक विवरण देना होगा, जिसमें यह बताया गया हो कि ऐसा सारांश क्यों संभव नहीं है।

42. हितबद्ध पक्षकार दस्तावेजों के अगोपनीय पाठ को परिचालित करने की तारीख से 7 दिनों के भीतर गोपनीयता के मुद्दों पर अपनी टिप्पणियां दे सकते हैं।

43. प्राधिकारी प्रदान की गई जानकारी की प्रकृति की जांच करने के बाद गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी को ऐसा लगता है कि गोपनीयता का अनुरोध आवश्यक नहीं है या यदि जानकारी देने वाला या तो जानकारी को सार्वजनिक करने या सामान्यीकृत या सारांश रूप में इसे बताने की अनुमति देने को तैयार नहीं है, तो वह ऐसी जानकारी को नजरअंदाज कर सकते हैं।

44. बिना किसी सार्थक अगोपनीय पाठ के या नियम के नियम 7 के अनुरूप उपयुक्त और पर्याप्त कारण बताने वाले विवरण और प्राधिकारी द्वारा जारी उचित व्यापार सूचना के बिना किया गया कोई भी अनुरोध, गोपनीयता के दावे पर प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा।

ड. सार्वजनिक फ़ाइल का निरीक्षण

45. किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा किए गए अनुरोध के सभी अगोपनीय पाठ सेतु पोर्टल पर उनके अपने लॉगिन के माध्यम से अन्य हितबद्ध पक्षकारों को मिल जाएंगे।

ढ. असहयोग

46. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार तर्कसंगत समय के भीतर या प्राधिकारी द्वारा इस जांच शुरुआत अधिसूचना में निर्धारित समय के भीतर संगत सूचना प्रदान करने से मना करता है या अन्यथा प्रदान नहीं करता है, या जांच में अत्यधिक रुकावट डालता है, तो प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और मौजूदा तथ्यों के आधार पर

अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को ऐसी यथाउपयुक्त सिफारिशें कर सकते हैं।

Digitally signed by

Amitabh Kumar

Date: 29-09-2026

18:38:49

(अमिताभ कुमार)

निर्दिष्ट प्राधिकारी